

वसाधारण

## **EXTRAORDINARY**

भाग I—लण्ड 1

PART I-Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

## PUBLISHED BY AUTHORITY

#o 237

नद्रै विस्ली, शनिवार, विसम्बर 3, 1977/प्रप्रहायरा 12, 1899

No. 237] NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 3, 1977/AGRAHAYANA 12 1899

इस भाग में भिग्न पुष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह भ्रलग संकलन के रूप में रक्षा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

### MINISTRY OF COMMERCE

#### PUBLIC NOTICE

IMPORT TRADE CONTROL

New Delhi, the 3rd December 1977

Subject -- Import Trade Control Hand Book of Rules and Procedure, 1977-78.

Amendment of

No. 111-ITC(PN)/77.—Attention is invited to part 213 of the Import Frade Control Hand Book of Rules and Procedure, 1977-78, regarding import of capital goods and electrical plants by State Electricity Boards/Projects.

2. It has been decided to add the following at the end of para 213 of the Import Trade Control Hand Book of Rules and Procedure, 1977-78 after the words "New Delhi"—

"Provided that in the case of any electronic item including fac imiles equipment of a cif value of Rs 5 lakbs or more, the Central Electricity Authority shall obtain the prior concurrence of the Department of Electronics for the import thereof before according such clearance."

K V SESHADRI

Chief Controller of Imports & Exports

## वाशिज्य मंत्रालय

# सार्वजनिक सूचना <mark>ग्रायात व्यापार नियंत्ररा</mark>

नई दिस्सी, 3 दिसम्बर, 1977

विषय ---- भ्रायात व्यापार नियंत्रण नियम तथा त्रियाविधि हैं बयुक, 1977-78 में संशोधन ।

सं 111 प्राईटोसी (पीएन)-77.राज्य विद्युत् बोर्ड /परियोजनाम्रो क्षारा पूजीगत माल ग्रौर बिजली के संयंत्र के धायात के बारे में धायात व्यापार नियंत्रण, नियम तथा कियाविधि, हैडबुक 1977-78 की कंडिका 213 की भोर ध्यान भाकुष्ट किया जाता है।

2. यह निश्चय किया गया है कि भागात व्यापार नियंत्रण, नियम तथा कियाविधि हैड बुक 1977-78 की कंडिका 213 में "नई दिल्ली" शब्दों के बाद निम्नलिखित को जोडा आए ---

"बंगर्ते कि प्रतिकृति उपकरण सिंहत 5 लाख रुपए या इस से श्रधिक लागत बीमा-भाडे मूल्य की किसी भी इलेक्ट्रानिक मद के मामले में केन्द्रीय विद्युत् प्राधिकरण इस के ग्रायात के लिए इस प्रकार की निकासी की स्वीकृति वेने से पूर्व इलेक्ट्रानिक विभाग की पूर्व ग्रन्ति प्राप्त करेगा।"

का० वे० शेषाद्रि, मुख्य नियंत्रक, स्रायात-निर्यात ।